आकाशवाणी केन्द्र शिमला

08.10.2024 / प्रादेशिक समाचार / 1800बजे

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने वन्य जीव संरक्षण पर बल देते हुए कहा है कि राज्य सरकार इनके संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। शिमला के गेयटी थियेटर में आज 73वें वन्यजीव सप्ताह के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करने की जरूरत बताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने राज्य के वनों और वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए जलवायु अनुकूल व संरक्षण कार्यक्रम भी लागू किए हैं। मुख्यमंत्री ने हिमाचल की समृद्ध जैव विविधता पर प्रकाश डालते हुए इनके संरक्षण के प्रयासों और इनके प्रति लोगों के अटूट स्नेह के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के वनों में आग लगने की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार इसकी रोकथाम के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार हिमाचल को ग्रीन राज्य बनाने के लिए काम कर रही है और वनों के संरक्षण के लिए वन मित्र व फॉरेस्ट गार्ड की भर्तियां की जा रही है ताकि वनों को बचाया जा सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ईको–टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए भी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसके दृष्टिगत देहरा में 6 सौ 80 करोड़ रुपये की लागत से एक अन्तरराष्ट्रीय स्तर के चिड़ियाघर के निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

यादविंदर गोमा

आयुष व खेल मंत्री यादविंदर गोमा ने आज कांगड़ा ज़िला के जयसिंहपुर में निर्मित एसडीएम आवास, पुस्तकालय व अतिथि गृह का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ये पुस्तकालय विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर माध्यम

होगा। गोमा ने कहा कि जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगिण विकास करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान उन्होंने जनसमस्याएं भी सुनी और अधिकांश का मौके पर ही निपटारा किया।

अटल पेंशन योजना

अटल पेंशन योजना के तहत अब तक सात करोड़ से अधिक नामांकन हो गए हैं। पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में अब तक 56 लाख से अधिक नामांकन हुए हैं। अटल पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए योगदान के आधार पर प्रति माह एक हजार से पांच हजार रुपये की पेंशन प्रदान करने की एक सामाजिक सुरक्षा योजना है। इसे वर्ष 2015 में शुरू किया गया था।

नवरात्र

शारदीय नवरात्र के छठें दिन आज मॉ दुर्गा के कात्यायनी स्वरूप की पूजा अर्चना की जा रही है। प्रदेश में स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठों सहित अन्य धार्मिक स्थलों में श्रद्धालु सुबह से ही पूजा–अर्चना कर रहे हैं। नवरात्र के उपलक्ष्य में सभी शक्तिपीठों सहित अन्य मंदिरों में भजन–कीर्तन से माहौल भक्तिमय बना हुआ है और धार्मिक कार्यक्रमों के अलावा भंडारे का आयोजन भी किया जा रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवरात्रे के छठे दिन देवी कात्यायनी की स्तुति की है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कामना की कि देवी कात्यायनी अपने सभी श्रद्धालुओं के जीवन में शक्ति और साहस का संचार करे।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज शिमला में प्रदेश सचिवालय चालक संघ द्वारा नवरात्रि के उपलक्ष्य पर आयोजित हवन यज्ञ में पूर्णाहूति डालकर भंडारे में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

कार्यशाला

हिमाचल प्रदेश इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड द्वारा आज हमीरपुर में प्रदेश को पूर्ण हरित राज्य के रूप में स्थापित करने की ओर बढ़ते कदम विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर विधायक कैप्टन रणजीत सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विकास योजनाओं को पंचायत स्तर तक पंहुचाना आवश्यक है ताकि आम लोगों को इनका लाभ मिल सके। इस दौरान स्टेट इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड लिमिटेड के प्रबन्ध निदेशक संदीप कुमार ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गैर–परम्परागत स्त्रोतों का दोहन प्रदेश को पूर्ण हरित राज्य स्थापित करने की ओर महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सौर ऊर्जा, बायोगैस और हाईड्रोजन से ऊर्जा दोहन की ओर बढ़ रहा है। संदीप कुमार ने लोगों से सरकार द्वारा चलाई जा रही सौर ऊर्जा दोहन की योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया।

बुनकर प्रदर्शनी

कुल्लू जिला के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के सर्वश्रेष्ठ बुनकरों द्वारा तैयार उत्पादों की चंबा के लोग जमकर खरीददारी कर रहे हैं। चंबा जिला मुख्यालय में आयोजित कुल्लू शाल बुनकर मेले व प्रदर्शनी के दौरान हाथों से तैयार किए गए शाल, मफलर, जैकेट, पायजामे, टोपियां व सूट बिक्री के लिए रखे गए हैं। सर्दियों के मौसम के दृष्टिगत लोग काफी संख्या में इस प्रदर्शनी वं मेले में पहुंचकर उत्पादों की खरीद कर रहे हैं। कारीगरों ने कहा कि ये उत्पाद स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने हाथों से तैयार किए हैं और इन पर 10 प्रतिशत की छूट का प्रावधान भी किया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले कई वर्षों से वह चंबा में इस तरह की प्रदर्शनी व बिक्री मेला लगा रहे है और लोगों का अच्छा रिस्पांस भी मिल रहा है। स्थानीय लोगों ने स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को सरकार की तरफ से प्रोत्साहन देने की वकालत की है ताकि इन कारीगरों की आर्थिकी भी सुदृढ़ हो।